





बाबूलाल का आरोप : झामुमो हताशा में उठा रहा कदम

## झुमरी में झामुमो समर्थकों ने किया दो भाजपा कार्यकर्ताओं का अगवा



**झुमरी उपचुनाव में धांधली हुई तो एनडीए के कार्यकर्ता घुप नहीं बैठेंगे**

बाबूलाल ने बोला कि झुमरी में निष्पक्ष और शास्त्रीय चुनाव संभव हो। अगर चुनाव में कोई धांधली या गड़बड़ी करवे को कोशिश करेंगे, तो भाजपा-आजसू के लोग भी कमज़ोर नहीं हैं। ऐसे में अगर कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदार राज्य सरकार होंगी।

को पश्चिम बंगाल बनाना चाहते हैं। बाबूलाल मरांडी रांची स्थित

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे।

### झामुमो कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को धमकी दी

बाबूलाल ने कहा कि झुमरी में झामुमो के गुंडे और पुलिस-प्रशासन मिल कर भाजपा कार्यकर्ताओं को पेशान कर रहे हैं। सरयाटांड गांव के ग्रामीणों ने बताया कि झामुमो के लोगों ने गांव में आकर धमकी दी है कि अगर केला छाप (आजसू पार्टी) को बोट दिया, तो राशन-पानी बंद का दिया जायेगा। इससे लोग डर हुए हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो को इस चुनाव में जनता नकर चुकी है। यह बात जान कर झामुमो वहां भय और आंतक का माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है।

## पलटवार : जेएमएन का बाबूलाल मरांडी पर हमला धनतंत्र पर जनतंत्र की जीत होगी, हर से दर कर बाबूलाल लगा रहे अनर्गल आरोप



### झारखंड की असिमता को प्रभावित करनेवाले मगरमच्छ के आंसू बहा रहे

सुप्रियो ने कहा कि झुमरी विधानसभा उपचुनाव में उनके तीन-तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों द्वारा कसरत करवे के बावजूद लोग उड़े रिजेट कर रहे हैं। जन-प्रतिरोध इतना है कि जगह छाड़ कर भाग जा रहे हैं। ऐसे लोग केवल कागजों पर कह कर लोगों के बीच भ्रम फैला रहे हैं। ऐसे देकर प्रचार करवाने, लोगों के बीच में जातीय और सांप्रदायिकता का विद्रोह फैलानेवाले, अधिकारी के आकर्षण को घोषित करने वाले, झारखंड की असिमता को प्रभावित करनेवाले, इन दिनों मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं।

**देश के संविधान को ही ये बदलना चाहते हैं**

सुप्रियो के मुताबिक वह चाहते थे कि विषय चटक हो, पर तुर्भय है कि यह विषय भयभीत कर अनानुमत बातें हैं। उन्होंने लोगों के अपहरण की बात कही है। इस संदर्भ में डीजीपी से उन्होंने बातचीत की है, यह भी कहते हैं। पर किस थाने में इस अपहरण की सूचना दी गयी, ये बता नहीं पाते। जिनकी बातें की जा रही हैं, उसको सत्यापित भी नहीं कर पाते। मतलब अजीब किसी चीज पर विश्वास ही नहीं उन्होंने दो लोगों के अपहरण की बात कही है।

इन दिनों वन नेशन-वन इलेक्शन की बातें कर रहे हैं। 2019 में उन्होंने देखा कि

सुप्रियो के मुताबिक वह चाहते थे कि विषय चटक हो, पर तुर्भय है कि यह विषय भयभीत कर अनानुमत बातें हैं। डर-सहमा हुआ है, इनका किसी चीज पर विश्वास ही नहीं अपना महत्वपूर्ण वेगदान देगी।

## गैस सिलेंडर के दाम में 200 रुपये की कटौती चुनावी स्टंट : राजेश ठाकुर



### 2014 की तुलना में गैस अब भी महंगी

केंद्र सरकार द्वारा जनता की हालत ऐसी कर दी गयी है कि प्यास से गला सूख जाये, फिर दो बूद पानी पिला कर कहो कि सबको पानी मिल गया है, प्यास से राहत मिल गयी है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में इंदिन में टैक्स द्वारा मादी सरकार ने 30 लाख कर्ड की मुनाफाखोरी की थी। 2014 से अब तक मादी सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के दाम में 185 प्रतिशत की वृद्धि की गयी। अभी भी घटाया कितना, मात्र 17.5 प्रतिशत। 2014 की तुलना में अब भी गैस सिलेंडर 167.5 प्रतिशत महंगा है। आम जनता के खरीदारों की क्षमता के अनुसार हमारे देश में दुनिया में सबसे महंगा सिलेंडर बिक रहा है।

की सोच रही है। मोदी सरकार ने पेट्रोल पर एकमात्र डूबड़ी विगत साल में 258 परसेंट बढ़ाया है और डीजल पर 820 प्रतिशत की बढ़तीरी की गयी है।

### कांग्रेस में शामिल हुए प्रोफेसर राजकिशोर

इस दौरान मारावाड़ी कालेज के मानविक्जन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर राजकिशोर राम ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के साथ प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा, डॉ एम सैफीक, परमहस्य शिव गुप्ता और रामचंद्र जिला अध्यक्ष डॉ राकेश किंण महत्वपूर्ण तरीके के मुकाब्ले किए गये थे।

आम जनता की कमर तोड़ रही है।

फिर भी महंगाई से देशवासियों को लूटने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ रही है। पेट्रोल 100 के पार, डीजल 95 पार, रसोई गैस 960 रुपये, खाने का तेल 200 रुपये के पार है। आम जनता बेबस के लाचार है, पर मोदी सरकार के बावजूद अपने चंद्र पूर्जीति मिश्रों के मुकाब्ले

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि लूट एनडीए के डीएनए में है। केंद्र की मोदी सरकार अमीरों को और गरीब बना रही है। क्या यह बहुत आश्वार्य की बात नहीं है कि प्रदेशमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्होंने एलपीडेर सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमत में अत्यधिक वृद्धि के कारण आमजनों की पीड़ा की कभी परवाह नहीं की गयी। फिर वर्षों बाद चुनाव के नजदीक आने पर उन्होंने जनता के दर्द का अहसास द्या दिया। अचानक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 200 रुपये कर दी गयी है। रसोई गैस की कीमत 2014 से लगातार बढ़ी है। पिछले नौ वर्षों में दोगुनी से ज्यादा हो गयी है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में मोदी सरकार ने रसोई गैस के दाम में 13.37 करोड़ लोगों को लूटा है। उन्होंने जनता की जब से 8,33,640.70 रुपये से ज्यादा की लूट की। कीमत में अचानक से कमी करना चुनावी स्टंट से कम नहीं है।

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि देश में बढ़ी गैस विक्री की विवरणों की विवरणों के साथ ज्यादा हो गयी है। उन्होंने जनता की जब से 8,33,640.70 रुपये से ज्यादा थोक विक्री की विवरणों की विवरणों के साथ ज्यादा हो गयी है। उन्होंने कहा कि जिसके बावजूद गैस की कीमत में वृद्धि की गयी है, यह विषय भयभीत कर अनानुमत बातें हैं। डर-सहमा हुआ है, इनका किसी चीज पर विश्वास ही नहीं अपना महत्वपूर्ण वेगदान देगी।

आम जनता की कमर तोड़ रही है।

फिर भी महंगाई से देशवासियों को लूटने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ रही है। पेट्रोल 100 के पार, डीजल 95 पार, रसोई गैस 960 रुपये, खाने का तेल 200 रुपये के पार है। आम जनता बेबस और लाचार है, पर मोदी सरकार के बावजूद अपने चंद्र पूर्जीति मिश्रों के मुकाब्ले

## 23 और 24 सितंबर को चंबर का आम चुनाव



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चंबर ऑफ कार्मसंस एंड इंडस्ट्रीज ने शनिवार को अपनी वार्षिक आमतात्परी और 2023-24 सत्र के चुनाव की घोषणा की। जानकारी देते हुए ललित केडिया ने बताया कि 22 सितंबर को चंबर भवन में बैठक आयोजित की जायेगी। इसके साथ सत्र 2023-24 का चुनाव 23 और 24 सितंबर को होगा। 23 सितंबर को कोल्हान, संताल परगाना और कोवतालांचल प्रमंडल में कार्यकारिणी समिति और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का मतदान एक साथ होगा।

इस क्षेत्र के चंबर के सभी डाररेशन सदस्य अपने क्षेत्र में ही कार्यकारिणी समिति और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का चयन करेंगे। शेष

मतगणना 24 सितंबर को मतदान स्थल पर ही की जायेगी। चुनाव पद्धतिकारी ललित केडिया ने कहा कि फेडरेशन के बढ़ते स्वरूपों को देखो हैं और तीन प्रमंडलों के सदस्यों की मांग पर ही इस चंबर के सभी लोगों द्वारा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। सभी मतों

रांची से बाहर के प्रमंडलों में कराया जा रहा है। 23 सितंबर को तीन प्रमंडलों में होनेवाला चुनाव सुबह 11 बजे से लोपहर 2 बजे तक बैलेट पेपर से होगा। सभी वैलेट पेपर से होगा। तीन प्रमंडलों के सदस्यों की मांग पर ही इस चंबर के सभी मतों

की गिनती 24 सितंबर को की जायेगी। इसके साथ रांची में कार्यकारिणी समिति का चुनाव कंयूटर के माध्यम से होगा।

### नामांकन 11 से 13 सितंबर तक

को-चेयरपैन पवन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 11 से 13 सितंबर तक चुन





# संपादकीय

## सूरज की दिशा में भारत का परचम

धरती से करीब 3 लाख 84 हजार 400 किलोमीटर दूर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयन-3 के सफलता से तिरंगा झंडा गांडे के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अस्थान इसके ने सूरज की दिशा में परम लहरा दिया है। आदित्य एल-1 सूर्य का अध्ययन करने वाला भारत का पहला अंतरिक्ष-आधारित मिशन है। इसके के बैज्ञानिकों ने आदित्य एल-1 को 2 सितंबर को सुबह 11.50 बजे पीएसएलवी-517 के एक्सएल वर्जन रॉकेट के जरिए श्रोहकोंटो के साथ ध्वनि संसर्कप्त की पृथ्वी की 235 किमी ऊंचाई पर 19 सेकंड बाद स्पेसक्रॉप्ट की लॉन्चिंग के 63 मिनट 19 सेकंड बाद स्पेसक्रॉप्ट की पृथ्वी की 235 किमी ऊंचाई पर 19500 किमी की कक्षा में स्थापित किया। रविवार को 10 सितंबर को आदित्य-एल-1 सैंसेक्रॉप्ट की 100 बीमां बदलाव को देख रहे हैं। यह आइआर 4.0, ऊर्जा संक्रमण और नवे युग की प्रौद्योगिकीय द्वारा संचालित 'कार्य' के भविष्य के रूप में हमारे सामने है। नवी प्रौद्योगिकियों 'कार्य', 'कार्यस्थल' और 'कार्यवर्तन' के स्तर पर बदलाव ला रही है। हम विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की संरचना में व्यापक बदलाव देख रहे हैं। यह उच्च-संतरीय अनुभूति और सामाजिक-भवनात्मक कौशल की आवश्यकता वाले नए रोजगारों के आवासन से प्रगतिशील है। 'कार्य' को समाजोन्नित करने के लिए एस्डी सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में आशावाद के साथ-साथ सदैह भी व्याप्त है। इस प्रकार के व्यापक वैश्विक परिवर्तनों के संदर्भ में गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता होती है। जी-20 अपने सभी आर्थिक और सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है। यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 85 प्रतिशत और वैश्विक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों की पूरी शक्तियों के साथ वैश्विक हित के लिए एक इस्तेमाल के लिए एक रूपरेखा तैयार कर सकता है।

इसके लिए कुछ दौर इंजन फायर करने पड़े। भारत का सूर्योदय आदित्य-एल-1 अंतरिक्ष में जिस जगह जाकर उड़ेगा, वो प्लाइट लैगेज बिंदु-1 (एल-1) ही है। इस

प्लाइट के बारे में बताया जाता है कि यह एपीजी जगह है, जिसके चारों तरफ प्रभासंडल कक्षों में भी सूर्य को देखा जा सकता है। इसके अलावा रीवल टाइम में सौर गतिशीलियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव पर भी हर

समय नजर रखी जा सकती है। यहां तक दावा किया जाता है कि सूरज से निकलने वाले कोरोना वायरस के साथ टूफान, इसी रस्ते से धरती की ओर जाते हैं। इसी प्लाइट पर चक्कर लगाते हुए आदित्य-एल-1 सूर्य का अध्ययन करेगा। लैगेज व्हाइट का नाम इतालवी-फ्रैंक फैमेंटी शिर्पिंगन जोसेपी-लैंड लैगेज से जुड़ा है। धरती और सूर्य के बीच में 5 लैगेज व्हाइट पड़ते हैं। इसमें से लैगेज बिंदु-1 धरती से करीब 15 लाख किलोमीटर दूर है। लैगेज व्हाइट अंतरिक्ष में थोक भाग और बैंबू वर्षा की ऊंचाई पर चक्कर लगाते हुए। लैगेज बिंदुओं पर दो बड़े द्व्यक्तिगत विनायक एक छोटे बस्तु का साथ चलने के लिए आवश्यक अभिक्रीड़ा बल के बराबर होता है। अंतरिक्ष में इन बिंदुओं का उपयोग अंतरिक्ष यान द्वारा स्थिति में बने रखने के लिए आवश्यक इंधन की खपत को कम करने के लिए किया जा सकता है। मतलब, यह कि यहां गुरुत्वाकर्षण अधिकैद्रीय बल के बराबर होता है। ऐसे में कोई भी अंतरिक्ष यान इस प्लाइट पर कम इंधन के साथ रुक कर अध्ययन कर सकता है। सूर्य हमारे सौर मंडल के केंद्र में स्थित हाईड्रोजन और हीलीम्य से सूक्ष्म एक चमकता तारा है, जिसकी उपर्याक्षरण 4.5 अरब वर्ष है।

### अभिमत आजाद सिपाही

जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रबंधन करने के लिए राष्ट्रों की पूरक शक्तियों के साथ वैश्विक हित के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के लिए एक रूपरेखा तैयार कर सकता है। भारत की अध्यक्षता ने जी-20 ने कौशल एवं धर्मता निर्माण, आजीवन शिक्षण और निगरानी से जुड़े इसके संबंधित पहलुओं को वर्गों के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा है।

## कार्य के भविष्य के लिए स्कृपरेखा



अतुल कुमार तिवारी

हम काम करने के तरीके में बड़े पैमाने पर वैश्विक बदलाव को देख रहे हैं।

आइआर 4.0, ऊर्जा संक्रमण और नवे युग की प्रौद्योगिकीय द्वारा संचालित 'कार्य' के भविष्य के रूप में हमारे सामने है। नवी प्रौद्योगिकियों 'कार्य', 'कार्यस्थल' और 'कार्यवर्तन' के स्तर पर पर बदलाव ला रही है। हम विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की संरचना में व्यापक बदलाव देख रहे हैं। यह उच्च-संतरीय अनुभूति और सामाजिक-भवनात्मक कौशल की आवश्यकता वाले नए रोजगारों के आवासन से प्रगतिशील है।

'कार्य' को भविष्य' को समाजोन्नित करने के लिए एस्डी सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में आशावाद के साथ-साथ सदैह भी व्याप्त है। इस प्रकार के व्यापक वैश्विक परिवर्तनों के संदर्भ में गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता होती है। जी-20 अपने सभी आर्थिक और सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है। यह वैश्विक सकल घरेलू मंच है।

उत्पाद के 85 प्रतिशत और वैश्विक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों की एक शृंखला की शुरुआत करता है, जो विपरीत जनसाधारणीय और आर्थिक दृष्टियों का सामना करते हैं।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाली प्रवृत्तियों का प्रवंचन करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग और गतिशीलता के पूरक अवसरों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। इसके लिए एस्डी सामाजिक आयामों के साथ 'कार्य' के भविष्य' पर चर्चा करने के लिए सही मंच है।

उत्पाद के लिए एक आवादी के दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 जो 'कार्य' के भविष्य' से निकलने वाल











